डॉ. किरोड़ी और राकेश टिकैत मृत किसान के परिजनों से मिले

जाने माने किसान नेता राकेश टिकैत जमीन कुर्की के सदमे से दो माह पूर्व आत्महत्या करने वाले किसान कजोड़ के परिजनों से मिलने जामुन वाली ढाणी पहुंचे तथा परिजनों को ढाढ़स बंधाया।

- **रामगढ़ पचवारा की जामुन वाली ढाणी में दो माह पहले कजोड़ नाम के एक किसान ने जमीन कुर्की का आदेश आने के सदमे से आत्महत्या कर ली थी।**
- **किसान आंदोलन के प्रमुख नेता राकेश टिकैत और राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मृतक किसान के परिजनों से अलग-अलग मुलाकात की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।**
- **बताया जाता है कि कजोड़ ने बैंक से 3.87 लाख रू. का कर्ज लिया था जिसे नहीं चुकाने पर बैंक ने जमीन कुर्की के आदेश निकाल दिए और हाल ही में 86 लाख रू. की जमीन मात्र 7 लाख रू. में बेच दी।**
- **डॉ. किरोड़ी ने कहा कि किसान की मृत्यु कांग्रेस सरकार के इस दावे की पोल खोलती है कि किसानों के कर्जे माफ किए गए हैं।**

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की जामुन वाली ढाणी के रहने वाले किसान कजोड़ ने दो महिने पहले भूमि कुर्की से सदमे से आत्महत्या कर ली थी और मंगलवार 18 जनवरी को उस किसान की 86 लाख रुपए कीमत की जमीन को महज 7 लाख रुपए में नीलाम कर दिया गया। इसी क्रम में मृतक किसान के परिजनों से मिलने के लिए किसान नेता राकेश टिकैत और राज्यसभा सांसद डा. किरोड़ी लाल मीणा जामुन की ढाणी पहुंचे।

नेता राकेश टिकैत भी देर रात 10 बजे मृतक किसान के घर पहुंचे तथा जमीन की नीलामी एवं मृतक किसान के बारे में पूरी जानकारी जुटाई एवं पीड़ित परिवार को ढांढ़स बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। राकेश टिकैत ने कहा कि गुरुवार को वे उपखंड कार्यालय पर सक्षम अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। राकेश टिकैत ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह किसान की पूरी जमीन नीलाम नहीं की जा सकती। इस मामले को लेकर गुरुवार को विचार-विमर्श किया जाएगा एवं आगे की रणनीति तय की जाएगी। वहीं राकेश टिकैत के पहुंचने की सूचना पाते ही पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया एवं राकेश टिकैत के क्षेत्र में घुसने से लेकर उनकी पूरी गतिविधि पर प्रशासन ने नज़र बनाए रखी।

वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव में सत्ता में आने के लिए किसानों से पूर्ण कर्ज माफी का वादा किया था। लेकिन आज तक राजस्थान सरकार किसानों के कर्ज माफी के वादे को पूरा नहीं कर पाई है। किसान जमीने नीलाम होने के सदमे में आकर आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा जामुन वाली ढाणी में किसान कजोड़ की बीते संक्रमण काल के दौरान आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी इसलिए वह कर्जा नहीं चुका पाया और बैंक ने जमीन कुर्क करने के आदेश निकाल दिए। सरकार कर्ज माफी का दावा कर रही है पर उलटे किसानों से कर्ज वसूली की प्रक्रिया तेज कर उनकी जमीनों को कुर्क कर कर्ज को वसूल किया जा रहा है। राज्यसभा सांसद मीणा ने कहा कि किसान द्वारा बैंक से 3 लाख 87 हजार रु. का लोन लिया गया था। किसान की कर्जा चुकाने की स्थिति नहीं होने के कारण कर्ज की रकम करीब 7 लाख रु. हो गई थी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि किसान की जमीन की वास्तविक कीमत करीब 86 लाख रुपए की है जिसे केवल डीएलसी दर को दरकिनार कर 7 लाख में नीलाम कर दिया गया। इतनी कम राशि में मृतक किसान के पीड़ित परिजनों की भूमि को नीलाम करने में भूमाफिया एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संदिग्ध मिलीभगत नज़र आ रही है।

राज्य सभा सांसद ने कहा है कि इस मामले को लेकर मृतक किसान की भूमि को कुर्क होने से रुकवाने के लिए ग्रामीणों भाजपा ने एसडीओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया था तथा एस डी ओ ने पीड़ित को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। कुर्की को रुकवाने एवं पीड़ित को न्याय दिलाने का भरोसा एसडीएम द्वारा दिया गया था। लेकिन मौखिक समझौते के बाद भी मृतक किसान की भूमि को नीलाम कर दिया गया। राज्य सभा सांसद ने मांग करते हुए कहा कि मृतक किसान को मुआवजा मिलना चाहिए एवं साथ ही कर्ज के तनाव में आत्महत्या करने वाले किसान का कर्जा माफ कर जमीन मुक्त की जाए। उन्होंने कहा कि मृतक किसान के आश्रित पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से समय लेकर पीड़ितो के साथ मुलाकात की जाएगी।

मुलायम सिंह के छोटे बेटे की पत्नी अपर्णा यादव भाजपा में शामिल हुईं

चर्चा है कि, अपर्णा यादव लखनऊ कैंट से टिकट मांग रही थीं, परंतु अखिलेश यादव इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं थे

- **अपर्णा यादव को उम्मीद है कि, भाजपा उन्हें लखनऊ कैंट से टिकट देकर उम्मीदवार बनायेगी।**

नई दिल्ली, 19 जनवरी (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठतम नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने भाजपा का दामन थाम लिया है।

बुधवार को अपर्णा यादव यहाँ उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गईं। इसके बाद उन्होंने पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

भाजपा की सदस्यता लेने के बाद अपर्णा यादव ने कहा, मैं हमेशा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित रही हूँ। मेरे चिंतन में सबसे पहले राष्ट्र है। अब मैं राष्ट्र की आराधना करने निकली हूँ। मैं स्वच्छ भारत मिशन, महिलाओं के लिए स्वावलंबन जीवन समेत भाजपा की अन्य सभी योजनाओं से प्रभावित रही हूँ। मैं भाजपा को धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे पार्टी का हिस्सा बनने का मौका दिया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने अपर्णा यादव का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि सपा के शासन में गुंडागर्दी को इतना महत्व दिया जाता था कि प्रदेश में कोई बेटी सुरक्षित नहीं थी। अपर्णा यादव को शुरू से लगता था कि आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में सुशासन है।

मौर्या ने कहा कि अपर्णा यादव की विचार धारा हमेशा से भाजपा से प्रभावित रही है जैसा उनके बयानों से प्रतीत होता था। मोदी और आदित्यनाथ के नेतृत्व में जो विकास हो रहा है, यह देखते हुए बहुत लोग भाजपा में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने परिवार और पार्टी दोनों में ही असफल रहे है। मुख्यमंत्री काल के दौरान भी और अब सांसद के रूप में भी वह असफल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता हैं। इन्हीं के बेटे प्रतीक यादव की शादी श्रीमती अपर्णा यादव से हुई है।

हिमाचल में जहरीली शराब से पांच की मौत

- **पुलिस ने मृतकों के घरों से बरामद कथित जहरीली शराब की बोतलों से नमूने लेकर जांच के लिये भेज दिये हैं।**

मंडी, 19 जनवरी (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सुंदरनगर में शराब पीने के बाद पांच लोगों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है और दो अन्य की हालत गम्भीर है तथा ये अस्पताल में भर्ती हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि घटना सलापड़ क्षेत्र में हुई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात कुछ लोगों ने एक व्यक्ति से शराब खरीद कर अपने अपने घरों में पी थी लेकिन इसके तत्काल बाद ही तबीयत बिगड़ने लगी। सात लोगों को तुरंत परिजनों ने सुंदरनगर के सिविल अस्पताल भर्ती कराया जहां चार ने दम तोड़ दिया। वहीं तीन लोगों को नेर चौक स्थित राजकीय मेडीकल कॉलेज एवं अस्पताल रैफर किया गया।

अलवर कांड में ज़ोमैटो डिलिवरी बॉय हिरासत में

डिलिवरी बॉय ने भी कबूल किया कि लड़की को उसकी बाइक से टक्कर लगी थी

- **अब पुलिस यह गुत्थी सुलझाने में लगी है कि लड़की के प्राइवेट पार्ट पर चोट कैसे लगी।**

अलवर, 19 जनवरी (निसं)। तिजारा फाटक पुलिया पर लहूलुहान हालत में मिली मूक-बधिर नाबालिग बालिका के केस में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने जोमैटो के एक डिलीवरी बॉय को हिरासत में लिया है। इसी युवक की बाइक से उक्त लड़की को टक्कर लगी थी और डिलीवरी बॉय ने यह बात कबूल भी कर ली है। टक्कर के समय वहां राजस्थान पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बस सवारी उतारने रुकी थी, जिसकी आड़ में होने की वजह से बाइक कैमरे में नजर नहीं आई।

पुलिस ने यह तो पहले ही मान लिया था कि नाबालिग से गैंगरेप नहीं हुआ। अब उसके तथ्य भी जुटाए गए हैं। फूड डिलीवरी बॉय ने भी कबूल किया कि टक्कर के बाद वह सीधा निकल गया था। अब पुलिस यह गुत्थी सुलझाने में लगी है कि लड़की के प्राइवेट पार्ट पर चोट कैसे लगी।

पुलिस कैमरे में दिख रही परिहवन निगम की बस को जब्त कर उसके कंडक्टर व ड्राइवर को हिरासत में ले चुकी है। बस के अंदर से सैंपल लिए गए थे। दो-तीन ऑटो निकले उन तक भी पुलिस पहुंच गई है।

फूड डिलीवरी बॉय को कैमरे दिखाए गए। उसके बाद उसने यह कबूला कि जब वह पुलिया से निकला तो रोड के बीच में चल रही बस को ड्राइवर ने लैफ्ट में दबा दिया। लड़की को उसकी बाइक से टक्कर लगी थी तो वह भी गिरते-गिरते बचा था। हादसे के बाद युवक निकल गया। उसके बाद लड़की के साथ क्या हुआ, उसे नहीं पता।

पुलिस मान रही है कि लड़की को बाइक की टक्कर लगी। जगह कम होने के कारण रगड़न जैसी स्थिति बनी। इस बीच लड़की गिरी और उसे चोट लग गई। चोट बाइक के हिस्से से भी लग सकती है या फिर वहां पड़े पत्थर व किसी नुकीली चीज से। पुलिस इन सवालों को सुलझाने में लगी है।

'विधायकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खानविलकर की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बैंच ने कहा था कि इस बात का कोई "अत्यधिक महत्वपूर्ण" कारण होना चाहिये कि संबंधित विधायकों को अगले सत्र में भी उपस्थित रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये। बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी तथा सी.टी. रवि कुमार भी शामिल थे, ने यह जानना चाहा कि क्या विपक्षी विधायकों के निलम्बन से सत्तारूढ़ गठबंधन के बहुमत में बने रहने का कोई लेना-देना है।

करोना वायरस,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में इस वायरस का प्रकोप इतने कम स्तर पर होगा कि उससे सामाजिक, आर्थिक व अन्य सामान्य क्रियाकलाप बाधित नहीं होंगे।"

उन्होंने कहा कि "मैं समझता हूँ कि अधिकांश लोग ऐसा महसूस करते हैं कि जब इसका प्रकोप किसी स्थान विशेष पर होगा तो फ्लू जैसे संक्रमणों की एक सामान्य श्रृंखला ही विद्यमान रहेगी।"

फाउची की टिप्पणी एक ऐसे समय में सामने आयी है, जबकि करोना वायरस का ओमक्रॉन वेरिएन्ट दुनियाभर में संक्रमण के नए केस सामने ला रहा है। ओमक्रॉन के अपने पूर्ववर्ती डेल्टा वायरस की तुलना में कम घातक साबित होने के बावजूद इस वायरस से जो लोग संक्रमित हुए हैं, उनके लिए दुनिया के कई हिस्सों में भरपूर मैडिकल संसाधन उपलब्ध है। जॉन्स हॉपकिन्स युनिवर्सिटी द्वारा गणना किए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले अमेरिका में ही पिछले सप्ताह करोना वायरस संक्रमण के करीब 5.4 मिलियन नए केस दर्ज किए गए। इस वैश्विक महामारी की शुरूआत से ही करीब 8 लाख 52 हजार अमेरिकी नागरिक कोविड-19 से मर चुके हैं और यह बीमारी दुनियाभर में 5.5 मिलियन से अधिक जाने ले चुकी है।

डब्ल्यु.एच.ओ. प्रमुख टैड्रॉस ने डॉ. फाउची की चिंताओं से सहमति जताते हुए कहा कि "मैं उन कई देशों को लेकर खासतौर पर चिंतित हूँ जहां वैक्सीनेशन की रेट कम है और यहां जिन लोगों के वैक्सीन नहीं लगी है उनमें गंभीर बीमारी और मौत का खतरा कई गुना ज्यादा है।" उन्होंने मंगलवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि "कोई गलती ना करें क्योंकि ओमक्रॉन से मौतें हो रही है और यह लोगों को अस्पताल में भर्ती होने के लिए मजबूर कर रहा है और यहां तक कि कम गंभीर प्रकृति के केसों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं कमतर साबित हो रही हैं।

टैड्रोस ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक उपायों के मौजूदा साधनों के इस्तेमाल और स्वास्थ्य उपकरणों को साझा करने व इनके कुशल उपयोग से कोविड-19 की वर्तमान लहर के प्रकोप के अच्छा-खासा कम होने की उम्मीद है।

उन्होंने घोषणा की कि यह समय हिम्मत हारने और सब्र करना का नहीं है।

टैड्रोस ने कहा कि ओमक्रॉन का हस्तांतरण और संक्रमण रोकने में वैक्सीन्स शायद उसकी असरकारी ना रहें जैसे कि करोना के पिछले वेरिएन्ट्स को रोकने में रही थीं, लेकिन वे फिर भी गंभीर रोगों और मौतों को रोकने में अब विशेष रूप से अच्छी हैं। अस्पतालों में मरीजों की भरमार को रोकने में यह अहम है।

एयर इंडिया सहित कई अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने अमेरिका के लिए फ्लाइट्स में कटौती की

विमानन कंपनियां इसकी मुख्य वजह अमेरिका में 5जी नैटवर्क का शुरु होना बता रही हैं

- **भारतीय एवं दुनियाभर की अन्य विमानन कंपनियों को आशंका है कि, अमेरिका में इसी सप्ताह से शुरु होने जा रहे 5जी नैटवर्क की वजह से विमानों को लैण्डिंग करते वक्त गम्भीर परेशानियां आयेंगी, जिसकी वजह से दुर्घटना भी हो सकती है।**
- **विमानन कंपनियों का कहना है कि, 5जी नैटवर्क की वजह से विमानों में लगे दूरी एवं ऊंचाई मापने के उपकरण काम करना बंद कर सकते हैं, जिससे पायलट को यह ज्ञात नहीं हो पायेगा की वे जमीन से कितनी दूरी पर विमान उड़ा रहे हैं।**

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 19 जनवरी (वार्ता)। एयर इंडिया समेत कई अंतरराष्ट्रीय विमान कंपनियों ने 5जी मोबाइल फोन सेवा और जटिल विमानन प्रौद्योगिकियों के बीच हस्तक्षेप पर अनिश्चितता को लेकर बुधवार से अमेरिका के लिए उड़ानों में कटौती कर दी है।

एयर इंडिया ने कहा कि दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और जेएफके तथा मुंबई से नेवार्क के बीच अपनी उड़ानें रद्द कर दी गयी है।

एयर इंडिया ने एक ट्वीट में कहा, अमेरिका में 5 संचार की तैनाती के कारण हम 19 जनवरी से दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और जेएफके तथा मुंबई से नेवार्क के बीच अपनी उड़ानें संचालित करने में सक्षम नहीं होंगे।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमीरात, एयर इंडिया, ऑल निप्पॉन एयरवेज और जापान एयरलाइंस ने अमेरिका के लिए उड़ानों में कटौती की घोषणा की है।अमीरात ने नौ अमेरिकी हवाई अड्डों बोस्टन, शिकागो ओहारे, डलास फोर्ट वर्थ, ह्यूस्टन में जॉर्ज बुश इंटरकांटिनेंटल, मियामी, नेवार्क, ऑरलैंडो, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल के लिए अपनी उड़ानें रद्द किये जाने की घोषणा की है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक हवाई अड्डों के पास 5जी सेल्यूलर एंटिना कुछ विमान उपकरणों से रीडिंग को अवरुद्ध कर सकता है जिससे पायलटों को यह पता चलता है कि वे जमीन से कितनी दूर हैं।

गौरतलब है कि, 5जी नेटवर्क को लेकर शुरू से ही विवाद होता रहा है। कभी करोना महामारी के लिए भी 5जी नेटवर्क को जिम्मेदार ठहराया गया तो कभी दावा किया गया कि 5जी नेटवर्क के आने के बाद पक्षियों का जीवन खतरे में पड़ जाएगा, हालांकि इन सब दावों को विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर टेलीकॉम कंपनियों और तमाम सरकारों ने बकवास करार दिया है। अब 5जी की शुरुआत होते ही अमेरिका में एयरलाइन कंपनियों की मुसीबत बढ़ गई है।

गौरतलब है कि इसी सप्ताह से अमेरिका की एटीएंडटी और वेरिजोन कंपनियां अपने नए 5जी नेटवर्क शुरू करने वाली थीं। एटीएंडटी और वेरिजोन कंपनियां अपने 5जी वायरलेस सर्विस के लिए अल्टीमीटर में इस्तेमाल होने वाले रेडियो स्पेक्ट्रम के काफी करीब वाले स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करती हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही थे। शांतिदेवी की तबीयत ठीक नहीं रहती थी। ऐसे में वह पति के स्थान पर नौकरी करने में असमर्थ थी।

शादीशुदा बेटी शोभा ने अपने पिता के स्थान पर मृतक आश्रित कोटे से नौकरी के लिए आवेदन किया। जोधपुर डिस्कॉम ने उसका आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि शादीशुदा बेटी को नौकरी नहीं दी जा सकती है। इसे लेकर शोभा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

हाईकोर्ट जज पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट का यह मानना है कि शादीशुदा व अविवाहित बेटे-बेटियों में भेदभाव नहीं किया जा सकता है। यह संविधान के अनुच्छेद 14,15 व 16 का उल्लंघन है।

जोधपुर डिस्कॉम की ओर से तर्क दिया गया कि नियमानुसार शादीशुदा बेटी मृतक आश्रित नहीं मानी जा सकती है। ऐसे में उसे नौकरी पर नहीं रखा जा सकता।

न्यायाधीश भाटी ने कहा कि बूढ़े माता-पिता की जिम्मेदारी बेटे व बेटी के लिए एक समान ही होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वे शादीशुदा है या नहीं। ऐसे में पिता के स्थान पर मृतक आश्रित की पुत्री नौकरी देने में भी भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

अनुकंपा नियुक्ति के आदेश: शोभा देवी की तरफ से कहा गया कि राज्य सरकार के सेवा नियमों के तहत यदि किसी मृतक आश्रित के परिवार में सिर्फ बेटी ही नौकरी के योग्य हो तो उसे नियुक्ति दी जा सकती है। ऐसे में इस मामले में भी यही नियम लागू होता है। जज भाटी ने शोभा से कहा कि वे नए सिरे से आवेदन पेश करें। वहीं जोधपुर डिस्कॉम को आदेश दिया कि शोभा देवी को अपने पिता के स्थान पर तीन महीने में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए।

भाजपा के स्टार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजीव बाल्यान तथा राज्य के मंत्री दिनेश शर्मा एवं केशव प्रसाद मौर्य शामिल हैं

इस बीच समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिष्ठा पर ग्रहण लगाते हुये, उनके भाई प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा भाजपा मुख्यालय पर विधिवत भाजपा में शामिल हो गईं। उन्हें सम्भवत: यह उम्मीद है कि भाजपा उन्हें लखनऊ छावनी सीट से चुनाव में उतार सकती है, जिसके लिये समाजवादी पार्टी ने उनसे मना कर दिया था।

सूत्रों ने कहा कि उन्हें लखनऊ छावनी से टिकट देने के लिये सपा ने इसलिये मना किया था क्योंकि अखिलेश यह मान रहे थे कि वे उस सीट से नहीं जीत पायेंगी। अपर्णा के भाजपा में शामिल होने पर अखिलेश ने कहा कि उनकी अनुज वधू भाजपा में सपा की विचारधारा साथ ले जायेंगी। उन्होंने कहा, "यह देखकर अच्छा लगा कि भाजपा हमारे द्वारा अस्वीकार्य किये गये लोगों को टिकट दे रही हैं।"

एक संबंधित घटनाक्रम के अन्तर्गत, भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में अपना दल एवं निषाद पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन की अधिकृत घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि इन दलों को सम्माननीय मात्रा में सीट आवंटित की जायेंगी। उन्होंने यह उम्मीद जताई कि ये दोनों पार्टियाँ पूरे राज्य में भाजपा के पक्ष में प्रचार करेंगी।

भाजपा ने उत्तर प्रदेश के चुनावों के दूसरे चरण के लिये दो और उम्मीदवारों के नामों की स्वीकृति दे दी। ये उम्मीदवार हैं- बहेड़ी से छत्रपाल सिंह गंगवार तथा भोजीपुरा सीट से बहोरन लाल मौर्य।

मुख्यमंत्री चन्नी के भाई व अन्य रिश्तेदारों के घर रेड

- **रेड के बाद चन्नी के रिश्तेदारों के यहां से 56 करोड़ रु. बरामद होने की चर्चा है।**
- **आप पार्टी ने कहा कि, मुख्यमंत्री चन्नी के रिश्तेदारों के ठिकानों से बरामद नकदी और सम्पत्ति चन्नी के 111 दिनों के कार्यकाल में की गई लूट और रेत एवं ड्रग माफियाओं से जुटाये गये पैसे हैं।**

चंडीगढ़, 19 जनवरी(वार्ता)। आम आदमी पार्टी(आप) के पंजाब मामलों के सह प्रभारी राघव चड्ढा ने राज्य के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधते हुये कहा कि प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के छापे में जब उनके रिश्तेदारों के घर से करोड़ों रुपए बरामद हो रहे हैं तो ऐसे में उन्होंने स्वयं कितने कमाये होंगे। चडढा ने कहा कि बरामद नकदी और सम्पत्ति चन्नी के 111 दिनों के कार्यकाल में की गई लूट और माफिया के पैसे है। उन्होंने हैरानी जताई कि जब रिश्तेदारों ने इतने कमाये तो स्वयं मुख्यमंत्री ने कितने कमाये होंगे। यही नहीं चन्नी अगर पांच साल मुख्यमंत्री रहते तो कितना कमाते! उन्होंने कहा हमने पहले ही कहा था कि चन्नी अपने क्षेत्र में रेत माफिया चला रहे हैं और उसके साथ मिलकर उन्होंने और उनके रिश्तेदारों ने करोड़ों रुपए कमाए हैं। ईडी के छापे में हमारी बात सही साबित हो गई है। मुख्यमंत्री के रिश्तेदारों के पास से अब तक 56 करोड़ रुपए की अवैध सम्पत्ति की जानकारी मिली है। ढेर सारा सोना और कई जमीनों के कागजात बरामद हुए हैं। आम आदमी होने का दिखावा करने वाले चन्नी इसका जवाब दें कि उनके रिश्तेदारों के पास इतने पैसे कहां से आए? उन्होंने कहा कि यही छापा अगर चन्नी के घर पर पड़ा होता तो कितने करोड़ रूपये मिलते यह अंदाजा लगाना मुश्किल है। आप नेता के अनुसार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर भी ईडी ने छापा मारा था।

ममता का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित अन्य दलों के बागियों एवं असंतुष्टों को अपनी ओर आकर्षित करने की पूरी कोशिश की है।

वस्तुत:, यह समझदारीपूर्ण नीति है क्योंकि भाजपा को भी अन्य पार्टियों के नेताओं को खींचने की नीति के कड़वे नतीजे मिल चुके हैं। बंगाल के चुनावों में तृणमूल को छोड़कर भाजपा में शामिल हुये सभी लोगों को टिकट दे दिये थे। इस सभी दलबदलुओं को आखिरी क्षणों में टिकट दिये गये थे, जिसके फलस्वरुप भाजपा को जमीनी स्तर के सभी कार्यकर्ता हतोत्साहित हो गये थे, उनका मनोबल गिर गया था तथा उनमें से बहुत से लोगों ने तो पार्टी के लिये कोई काम नहीं किया था। परिणाम यह हुआ था कि तृणमूल से भाजपा में आये अधिकांश नेता बुरी तरह चुनाव हार गये थे।

अमेरिका में अब तक 95 लाख बच्चे कोविड संक्रमित हुये

वाशिंग्टन, 19 जनवरी (वार्ता/शिन्हुआ)। अमेरिका में कोविड-19 महामारी की शुरुआत से करीब 95 लाख बच्चे कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।

अमेरिकन अकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स (आप) और चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल एसोसियेशन के अनुसार बच्चों में कोरोना संक्रमण के मामलों में नाटकीय उछाल आया है।

मंगलवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, 13 जनवरी तक देश भर में कुल 94,52,491 बच्चे कोविड-19 संक्रमित हो चुके थे। दूसरे शब्दों में, कुल कोरोना मामलों में से 17.8 प्रतिशत बच्चे थे।

जनसंख्या में प्रति 1,00,000 बच्चों में 12,559 संक्रमण दर्ज किये गए। आप के अनुसार 13 जनवरी को समाप्त हुए पिछले सप्ताह में लगभग 10 लाख बच्चे कोरोना संक्रमित पाए गए। यह पिछली सर्दियों के कोरोना पीक से चार गुना अधिक मामले हैं। यह अमेरिका में लगातार 23वें सप्ताह है जब बच्चों में कोविड-19 मामले एक लाख से ऊपर हैं। आप के अनुसार, सितंबर के पहले सप्ताह से अब तक 44 लाख से अधिक बच्चे कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। रिपोर्ट में आप ने कहा, नए वेरिएंट की गंभीरता और संभावित दीर्घकालिक प्रभावों का आकलन करने के लिए आयु-विशिष्ट आंकड़े इकट्ठा करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा अरावली प्रिन्टर्स, जयपुर रोड, अजमेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908